Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

(२०१६ - २०१७)

कक्षा बारहवी

हिन्दी ऐच्छिक

अंक योजना

खंड क

अपेक्षित मूल्यांकन बिन्दु

15

1. क)

- जैसा होना चाहिए - आदर्श
- समाज में जिसका नाम आदर के साथ लिया जाए तथा उसके योगदान को याद किया जाए - उज्जवल

2

ख)

- जीवन की वास्तविकता को समझना
- परमात्मा से परिचय कराना 2

ग)

- आलस्य का त्याग करना
- सत्य के प्रति सचेत होना 2

घ)

- सत्य - असत्य का बोध करना
- निर्णय लेने की क्षमता विकसित होना 2

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

ड)

- आस्था, निष्ठा, संकल्प आदि
- इसे अपनाकर ही जीवन में आगे बढ़ा जा सकता है 2

च)

- बुराइयां जल्दी फैलती हैं
- जड़ें गहरी नहीं होती 2

छ)

- मनुष्य अपने बारे स्वयं बहुत कुछ जानता है
- अपनी कमियों को स्वयं दूर कर सकता है 2

ज)

- परि, स्थिति
- नीति, इक 1

2. 1x5=5

क) हमारे देश के बारे में 1

ख) गीता का उपदेश मनुष्य को जीवन का वास्तविक अर्थ समझाता है 1

ग) क्रांतिकारियों की पीड़ा, योगदान से ही देश को स्वतंत्रता मिली 1

ध) 'चन्द्रवरदायी' पृथ्वीराज के कवि थे। उन्होने वीर रस की कविताएं लिखीं 1

ड) भारतवासियों के घर में इनका पाठ होता रहता है 1

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

3. 10

भूमिका - 01

विषयवस्तु - 6

उपसंहार - 1

भाषा - 2

4. 5

आरंभ और अंत की औपचारिकताएं - 01

विषयवस्तु - 03

भाषा - 01

5. 1X5=5

क)

- अंशकालिक
- पूर्णकालिक

ख) किसी विषय पर पूर्ण अधिकार के साथ किया जाने वाला लेखन

ग) घटना स्थल से प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा प्रमाण स्वरुप दिखाई जाने वाली बातें

घ) आलम आरा

ड)

- माखनलाल चतुर्वेदी
- मैथिलीशरण गुप्त

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

6. **05**

विषयवस्तु - 03

प्रस्तुति - 01

भाषा - 01

खंड ग

7. 8

संदर्भ+प्रसंग - 02

व्याख्या - 04

विशेष - 01

भाषा - 01

8. 3+3=6

क)

- निराला ने समय की ओर इशारा किया है।
- संघर्षो से जीवन आसान नहीं रह गया है।
- संसार जहर से भरा हुआ है, मानवता हाहाकार कर रही है।
- निराशा में आशा का संचार करना।

ख)

- ऋषि मुनियों और देवताओं द्वारा उनकी उदारता का वर्णन संभव नहीं।
- आम आदमी द्वारा कठिन।

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

ग)

- स्वतंत्रता के बाद सभी चालाक और धूर्त व्यक्ति पैसा कमाकर अमीर बन गए।
- स्वतंत्रता के बाद हाथ फैलाने वाला व्यक्ति ईमानदार, क्योंकि वह धोखाधड़ी में शामिल नहीं।

9. क)

भाव सौन्दर्य - 1 ½

शिल्प सौन्दर्य - 1 ½

ख)

भाव सौन्दर्य - 1 ½

शिल्प सौन्दर्य - 1 ½

ग)

भाव सौन्दर्य - 1 ½

शिल्प सौन्दर्य - 1 ½

10. 06

संदर्भ+प्रसंग - 01

व्याख्या - 03

भाषा + विशेष - 02

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

11. 4+4=8

क)

- वह पेट भर खाता है, खूब सोता है।
- संवाद ज्यों का त्यों हाव भाव के साथ सुनाता है।
- गांव के लोग उसे पेटू किस्म का समझते हैं।

ख) पूंजीपतियों द्वारा मजदूरों से अधिक काम लेने के लिए अलग अलग तरीकों को अपनाना।

- मजदूरों का शोषण करना।

ग)

- देवदास की तरह संभव का पारो के लिए मन में प्रेम रखना।
- संभव से पहले देवदास प्रेम के उदाहरण रुप में प्रस्तुत
- संभव देवदास के बाद के समर्पित प्रेमी के तौर पर प्रस्तुत।

12 जीवन परिचय - 02 6

किन्ही दो रचनाओं का उल्लेख - 02

भाषा शैली - 02

अथवा

जीवन परिचय - 02

किन्ही दो रचनाओं का उल्लेख - 02

काव्यगत विशेषता - 02

13 विद्यार्थियों के चिंतन एवं अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन स्वीकार्य 5

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

14. क) 5

- पहाड़ काटकर खेत बनाना
- ऊंची चोटी पर रहना
- विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य से काम करना
- बिना किसी सहारे पहाड़ पर चढना (अन्य बिन्दु भी स्वीकार्य)

ख) 5

- वर्तमान सभ्यता नदियों के महत्व को नहीं समझ रही।
- फैक्ट्रियों, नालियों का पानी नदी मे गिराती है।
- नाले के पानी से नदी नाले में बदल रही है।
- उपयोग करने वाली सभ्यता नदी के महत्व को नही समझ पा रही । (अन्य बिन्दु भी स्वीकार्य)

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com